International Journal of Education and Science Research Review
E-ISSN 2348-6457
Volume-8, Issue-5 October- 2021
P-ISSN 2349-1817
www.ijesrr.org Email- editor@ijesrr.org

व्यक्तित्व आवश्यकताओं के सन्दर्भ में उच्च विद्यालय के छात्रों में शैक्षिक उपलब्धि का एक अध्ययन

जलीस अहमद
सहायक प्रोफेसर
शिक्षा विभाग
एपेक्स इन्स्टीट्यूट ऑफ मेंनेजमेन्ट स्टडीज एण्ड रिसर्च, मेरठ

प्रस्तावना

एक लम्बे स्वाधीनता आन्दोलन के अथक प्रयास के पश्चात् भारत देश आजाद हुआ। अपना एक स्वतन्त्र संविधान अस्तित्व में आया है। जिसमें समाज की सामाजिक आर्थिक एवं राजनैतिक समानता, स्वतंत्रता, न्याय व बन्धुत्व की रुपरेखा निश्चित की गयी। जो हमारे राष्ट्रीय लक्ष्य एवं मूल्य भी हैं। इन लक्ष्यों की प्राप्ति का मूल साधन शिक्षा कां माना गया। इस प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा का स्वरुप विकसित कर छात्रों के व्यक्तित्व, बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि का सर्वागीण विकास किया जा सकता हैं। अत: छात्रों के व्यक्तित्व के संतुलित विकास के लिये यह जरुरी है कि उनमें स्तरानुकूल विषयक ज्ञान कौशल अभिवृत्तियों एवं मूल्यों का विकास हो। यह बात निर्मूल है कि शैक्षिक स्तर उच्च श्रेणी का प्राप्त करने के लिए शिक्षक एवं शिक्षार्थी दोनों में स्वस्थ्य समायोजन का होना आवश्यक हैं।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के महत्वपूर्ण बिन्दु

व्यक्तित्व की आवश्यकताएं— शोध में व्यक्तित्व की आवश्यकताओ के निर्धारण एवं अध्ययन के लिए मीनाक्षी व्यक्तित्व परख संकेतिका का उपयोग किया गया जिसमें कुल व्यक्तित्व की दस मनोवैज्ञानिक आवश्यकतायें है यथा सम्प्राप्ति, प्रदर्शन, स्वातन्तय, सान्निध्य, पराश्रय, प्रभुत्व, आत्महीनता, परोपकार, सहनशीलता एवं आक्रामकता आदि। अध्ययन के उदेश्यानुसार प्रथम पॉच आवश्यकताओं का उपयोग किया गया हैं।

सामाजिक निर्धारक— जनसंख्या, आयु, लिंग व्यवस्था आदि वे तत्व होते हैं जो व्यक्तित्व के निर्धारण में गहरी भूमिका निभाते हैं। शोध में भौगोलिक क्षेत्र विद्यालय का आकार शैक्षिक वर्ग का चयन किया गया है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य— छात्रों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं का विभिन्न प्रकार के शैक्षिक उपलब्धि के साथ सम्बन्ध का अध्ययन करना।

प्रस्तुत शोध अध्ययन की परिकल्पना— छात्रों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं के उच्च निम्न स्तर पर उनकी विभिन्न प्रकारों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान प्राप्तांकों के बीच अन्तर की सार्थकता ज्ञात करने के लिए शून्य परिकल्पना का प्रयोग किया गया है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन की परिसीमाएं— सीमित साधनों व उपलब्ध समय को ध्यान में रखते हुए ग्वालियर (म०प्र०) में संचालित उच्च विद्यालय (कक्षा 9 व 10) के 200 छात्रों तक सीमित किया गया है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन का न्यादर्श— शोध में विद्यालय एवं छात्रों का चयन सोदेश्यपूर्ण व दैव न्यादर्श विधियों द्वारा किया गया हैं।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के चर— अध्ययन में क्रमश: आश्रित चर व स्वतंत्र चरों का समावेश किया गया है छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अश्रित करके स्वयं में तथा व्यक्तित्व आवश्यकताए स्वतंत्र चर के रुप में लिया गया।

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण— उपलब्धि परीक्षण वह अभिकल्प है जो छात्रों के द्वारा ग्रहण किये गये ज्ञान समझ व कौशल का मापन करता है। यह परीक्षण मुख्य दो तरह का हो सकता है प्रथम मानकीकृत तथा द्वितीय शिक्षक निर्मित। प्रस्तुत शोध में द्वितीय प्रकार के परीक्षण का उपयोग किया गया है। जिनके पाँच प्रमुख आयाम क्रमश: हैं—

I. भाषा
II. सामान्य विज्ञान
III. सामाजिक विज्ञान
IV. मौखिक गणित
V. व्यावसायिक जागरुकता।

प्रत्येक परीक्षण के पूर्व प्राथमिक स्तर पर प्रत्येक आयाम से 40—40 प्रश्न (200 प्रश्न) निर्धारित किये। परीक्षण के पदो की विश्वसनीयता व वैधता को सुनिश्चित करने के लिये पद विश्लेषण प्रक्रिरा द्वारा पदो का कठिनाई स्तर हार्पर फैसिलीटी इंडेक्स की सहायता से तथा विभेदन मान कैली के 27% - 27% उच्च निम्न वर्ग विधि की सहायता से कुल 40 सर्वश्रेष्ठ पदो का उपलब्धि परिक्षण हेतु चयन किया गया।

प्रस्तुत शोध की सांख्यिकी मापन व अर्थापन— परीक्षण को सांख्यिकी मापन के रुप में स्तम्भाकृति टी परीक्षण कार्लपियर्सन सहसम्बन्ध विधि तथा .05 व .01 सार्थक स्तर का प्रयोग प्रयोग परीक्षण के अर्थापन हेतु किया गया।

मीनाक्षी व्यक्तित्व परख संकेतिका की विश्वसनीयता व वैद्यता का प्रदर्शन

तालिका- 1

अध्ययन मापनी	विश्वसनीयता		वैधता	
	मूल्य	परिणाम	मूल्य	परिणाम
व्यक्तित्व परख संकेतिका	.75	सार्थक	.55	सार्थक

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण की विश्वसनीयता व वैद्यता का प्रर्दशन

तालिका- 2

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण के आयाम	विश्वसनीयता		वैद्यता	
	मूल्य	परिणाम	मूल्य	परिणाम
भाषा	.42	सार्थक	.64	सार्थक
सामान्य विज्ञान	.33	सार्थक	.63	सार्थक
सामाजिक विज्ञान	.31	सार्थक	.64	सार्थक
मौलिक गणित	.47	सार्थक	.66	सार्थक
व्यावसायिक जागरुकता	.45	सार्थक	.88	सार्थक
कुल योग	.40	सार्थक	.69	सार्थक

उच्च विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि व व्यक्तित्व आवश्यकता स्तर

उच्च एवं निम्न व्यक्तित्व आवश्यकता (सम्प्राप्ति) वाले छात्रों के बीच शैक्षिक उपलब्धि आयामों पर मध्यमान अन्तर की सार्थकता का प्रर्दशन

तालिका- 3

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण के आयाम	उच्च व्यक्तित्व			निम्न व्यक्तित्व				
	N	M	SD	N	M	SD	टी मूल्य	परिणाम
भाषा	100	3.52	1.76	100	3.01	1.85	2.03	सार्थक
सामान्य विज्ञान	100	3.34	1.57	100	3.21	1.82	1.54	असार्थक
सामाजिक विज्ञान	100	3.00	1.69	100	3.35	1.49	1.60	असार्थक

मौलिक गणित	100	3.48	1.67	100	3.27	1.50	2.01	सार्थक
व्यावसायिक जागरुकता	100	21.64	3.24	100	21.09	3.58	1.14	असार्थक

उच्च एवं निम्न व्यक्तित्व आवश्यकता (प्रदर्शन) वाले छात्रों के बीच शैक्षिक उपलब्धि आयामों पर मध्यमान अन्तर की सार्थकता का प्रर्दशन

तालिका- 4

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण के आयाम	उच्च व्यक्तित्व			निम्न व्यक्तित्व				
	N	M	SD	N	M	SD	टी मूल्य	परिणाम
भाषा	100	3.80	1.85	100	2.95	1.66	3.50	सार्थक
सामान्य विज्ञान	100	3.40	1.64	100	3.50	1.65	1.69	असार्थक
सामाजिक विज्ञान	100	3.80	1.74	100	2.91	1.53	3.84	सार्थक
मौलिक गणित	100	3.34	1.71	100	3.20	1.65	1.55	असार्थक
व्यावसायिक जागरुकता	100	21.14	3.22	100	21.70	3.07	2.22	सार्थक

उच्च एवं निम्न व्यक्तित्व आवश्यकता (स्वातन्त्रय) वाले छात्रों के बीच शैक्षिक उपलब्धि आयामों पर मध्यमान अन्तर की सार्थकता का प्रर्दशन

तालिका- 5

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण के आयाम	उच्च व्यक्तित्व			निम्न व्यक्तित्व				
	N	M	SD	N	M	SD	टी मूल्य	परिणाम
भाषा	100	3.88	1.85	100	2.89	1.73	3.91	सार्थक
सामान्य विज्ञान	100	3.91	1.71	100	3.05	1.64	3.63	सार्थक
सामाजिक विज्ञान	100	3.74	1.68	100	3.09	1.62	2.78	सार्थक
मौलिक गणित	100	3.73	1.85	100	3.40	1.59	1.35	असार्थक

व्यावसायिक जागरुकता	100	23.13	3.27	100	22.71	3.13	0.93	असार्थक

उच्च एवं निम्न व्यक्तित्व आवश्यकता (सानिध्य) वाले छात्रों के बीच शैक्षिक उपलब्धि आयामों पर मध्यमान अन्तर की सार्थकता का प्रर्दशन

तालिका- 6

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण के आयाम	उच्च व्यक्तित्व			निम्न व्यक्तित्व				
	N	M	SD	N	M	SD	टी मूल्य	परिणाम
भाषा	100	3.84	1.84	100	2.93	1.66	3.67	सार्थक
सामान्य विज्ञान	100	3.84	1.71	100	2.93	1.62	2.86	सार्थक
सामाजिक विज्ञान	100	3.83	1.67	100	2.82	1.59	2.38	सार्थक
मौलिक गणित	100	3.79	1.66	100	2.66	1.72	1.72	असार्थक
व्यावसायिक जागरुकता	100	23.03	3.26	100	20.30	3.07	6.10	सार्थक

उच्च एवं निम्न व्यक्तित्व आवश्यकता (पराश्रय) वाले छात्रों के बीच शैक्षिक उपलब्धि आयामों पर मध्यमान अन्तर की सार्थकता का प्रर्दशन

तालिका- 7

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण के आयाम	उच्च व्यक्तित्व			निम्न व्यक्तित्व				
	N	M	SD	N	M	SD	टी मूल्य	परिणाम
भाषा	100	3.80	1.75	100	2.09	1.73	4.02	सार्थक
सामान्य विज्ञान	100	3.56	1.59	100	3.40	1.74	1.67	असार्थक
सामाजिक विज्ञान	100	3.59	1.68	100	3.24	1.65	1.49	असार्थक
मौलिक गणित	100	3.53	1.62	100	3.10	1.65	1.49	असार्थक
व्यावसायिक जागरुकता	100	3.53	1.62	100	3.10	1.50	2.00	सार्थक

- व्यक्तित्व आवश्यकता के सभी आयामों पर शैक्षिक उपलब्धि के प्रथम आयाम भाषा तुलनात्मक रुप में सार्थक है जिसका अर्थ है व्यक्तित्व आवश्यकता के सभी पॉचों आयाम वाले छात्र भाषा के क्षेत्र में उच्च अंक अर्थात उच्च उपलब्धि प्राप्त करते हैं।
- व्यक्तित्व आवश्यकता के प्रदर्शन उच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रयोज्य तुलनात्मक रुप से सान्निध्य आयामों पर शैक्षिक उपलब्धि के सामान्य विज्ञान सामाजिक विज्ञान आयाम पर सार्थक रुप से उच्च अकं प्राप्त करते हैं परन्तु शैक्षिक उपलब्धि के इन आयामों पर व्यक्तित्व आवश्यकता के सम्प्राप्ति पराश्रम आयाम का प्रभाव सार्थक नही हैं क्योंकि इन आयामों के लिये प्रात टी मूल्य सार्थतकता की किसी भी स्तर पर सार्थक नही है।
- व्यक्तित्व आवश्यकता के स्वतंत्र सम्प्राप्ति एवं पराश्रम आयामों पर उच्च अकं प्राप्त करने वाले प्रयोज्य तुलनात्मक रुप से उच्च अंक प्राप्त करता है परन्तु शैक्षिक उपलब्धि के शैक्षिक गणित आयाम पर प्रदर्शन व सान्निध्य आवश्यकता का प्रभाव सांख्यिकी रुप से सार्थक नही हैं। जिसकी पुष्टि टी मूल्य व सार्थकता के किसी भी स्तर पर होती है।
- व्यक्तित्व आवश्यकता के प्रदर्शन व सान्निध्य आयाम पर उच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रयोज्य तुलनात्मक एवं शैक्षिक उपलब्धि के व्यावसायिक जागरुकता आयाम पर सर्थक रुप से उच्च अंक प्राप्त करते हैं इसका अर्थ यह हुआ की प्रदर्शन व सान्निध्य व्यक्तित्व आवश्यकता वाला छात्र व्यावसायिक जागरुकता के क्षेत्र में उच्च उपलब्धि प्राप्त करता है। लेकिन जहाँ तक शैक्षिक उपलब्धि के व्यापक जागरुकता का सम्बन्ध सम्प्राप्ति स्वातन्तय पराश्रम व्यक्तित्व आवश्यकता से है वहाँ इसके प्रभाव को सार्थक नही कहा जा सकता क्योंकि व्यापक जागरुता का टी मूल्य सार्थकता के किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं हैं।

प्रस्तुत शोध के निष्कर्ष

1. व्यक्तित्व आवश्यकताा पर सम्प्राप्ति प्रर्दशन स्वातत्रय सान्निध्य एवं पराश्रम आयाम भाषा उपलब्धि को सार्थक रुप से प्रभावित करता है।
2. व्यक्तित्व आवश्यकताा पर प्रर्दशन स्वातत्रय एवं सान्निध्य आयाम सामान्य विज्ञान उपलब्धि को सार्थक रुप से प्रभावित करता है।
3. व्यक्तित्व आवश्यकताा पर प्रर्दशन स्वातत्रय सान्निध्य आयाम सामाजिक विज्ञान उपलब्धि को सार्थक रुप से प्रभावित करता है।
4. व्यक्तित्व आवश्यकताा पर सम्प्राप्ति एवं पराश्रम आयाम मौलिक गणित को सार्थक रुप से प्रभावित करता है।
5. व्यक्तित्व आवश्यकताा पर प्रर्दशन सान्निध्य आयाम व्यावहारिक जागरुकता को सार्थक रुप से प्रभावित करता है।

संक्षेप में छात्र के व्यक्तित्व आवश्यकता के ये विभिन्न आयाम जितने अधिक होंगे इसके प्रभाव के कारण छात्र के उपलब्धि के विभिन्न क्षेत्र भाषा सामान्य विज्ञान मौलिक गणित तथा व्यावहारिक जागरुकता में उपलब्धि उतनी ही अधिक होगी।

संदर्भग्रन्थ सूची

- अग्रवाल, जे० सी० 'शैक्षिक शोध' आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली।
- भटनागर, ए० बी० 'शैक्षिक एवम् मानसिक मापन' सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ।
- Ebel, R.L. 'Encyclopedia of Educational Research', 1969 Fourth Edition
- गुप्ता, एस०पी० 'आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन' शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
- Kapil, H.K. 'Essential Element of Statistics' Vinod Pustak Mandir, Agra
- कौल, लोकेश 'शैक्षिक अनुसन्धान की कार्यप्रणाली' विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- श्रीवास्तव, डी० एन० 'व्यक्तिव का मनोविज्ञान' विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
- सिन्हा, एच० सी० 'शैक्षिक अनुसन्धान' विकास पब्लिकेशन हाऊस, नई दिल्ली।